दिनांक 22.02.2021

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

सांची विश्वविद्यालय की कुलपति बनीं डॉ नीरजा ए गुप्ता

- असमिया व उर्दु सहित 9 भारतीय भाषाओं की ज्ञाता
- संस्कृत के अतिरिक्त प्राचीन प्राकृत भाषा पर है महारथ
- अंग्रेज़ी के साथ-साथ रूसी भाषा पर भी रखती हैं विद्वता
- रामायण के विभिन्न संस्करणों पर कर चुकी हैं शोध
- गुजरात विवि के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की पूर्व सलाहकार

-

मध्य प्रदेश की राज्यपाल श्रीमति आनंदी बेन पटेल ने डॉ. नीरजा ए. गुप्ता को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। म.प्र राजभवन से जारी आदेश में उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 4 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने की दिनांक तक की गई है। डॉ. नीरजा गुप्ता वर्तमान में गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आर.ए पी जी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं।

डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार भी रह चुकी हैं। उन्होंने 1992 में मेरठ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी। वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू में भी ज्ञान रखती हैं। साथ ही साथ प्राकृत जैसी प्राचीन भारतीय भाषा में भी उन्हें महारथ हासिल है। अंग्रेज़ी के साथ-साथ डॉ गुप्ता रूसी भाषा पर भी विद्वता रखती हैं और वे अकादमिक कार्यक्रमों हेतु 42 देशों की यात्राएं कर चुकी है। डॉ गुप्ता 16 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से भी जुड़ी हुई हैं।

डॉ. नीरजा गुप्ता ने 2011 में रामायण के विभिन्न संस्करणों पर एक शोध परियोजना भी पूर्ण की है। डॉ. गुप्ता को 2011 में ही शिक्षा की व्यवसायिकता पर शिक्षा शोध परियोजना हेतु शिक्षा भारती पुरस्कार प्राप्त हुआ था। 2013 में डॉ. गुप्ता द्वारा 'प्रवासियों व विस्थापतों' पर शोध परियोजना पूर्ण की गई थी। उन्हें 2002 में न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के लीडरशिप इंस्टीट्यूट व लॉयन्स इंस्टीट्यूट का बेस्ट ग्रेजुएट पुरस्कार भी मिल चुका है।

हाल में आपको गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों में मुख्य निदेशिका के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

सांची विश्वविद्यालय की साधारण परिषद द्वारा अनुशंसित नामों के पैनल में से राज्यपाल द्वारा डॉ. नीरजा ए गुप्ता को नियुक्ति प्रदान की गई है।

दिनांक 23.02.2021

प्रेस विज्ञप्ति

डॉ. नीरजा गुप्ता ने संभाली सांची विश्वविद्यालय की कमान

- डॉ नीरजा गुप्ता ने कुलपति का पदभार किया ग्रहण
- जम्मू-कश्मीर संबंधी कार्यों की मुख्य निदेशिका रह चुकी हैं डॉ. गुप्ता
- गुजरात विवि के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की पूर्व सलाहकार

डॉ. नीरजा ए. गुप्ता ने सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. गुप्ता ने भोपाल पहुंचकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय में पद संभाला। कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी व उपकुलसचिव श्रीमति वंदना जैन ने नवागत कुलपति महोदया का स्वागत कर पदभार ग्रहण की औपचारिकताएं पूर्ण कराईं।

सांची विश्वविद्यालय से पूर्व डॉ. नीरजा ए. गुप्ता गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आर.ए कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य के पद पर सेवाएं दे रही थीं।

डॉ. गुप्ता को गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों में मुख्य निदेशिका के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार भी रह चुकी हैं। उन्होंने 1992 में मेरठ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी। वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू भाषा का भी ज्ञान रखती हैं। साथ ही साथ प्राकृत जैसी प्राचीन भारतीय भाषा में भी उन्हें महारथ हासिल है। अंग्रेज़ी के साथ-साथ डॉ गुप्ता रूसी भाषा पर भी विद्वता रखती हैं और वे अकादमिक कार्यक्रमों हेतु 42 देशों की यात्राएं कर चुकी है। डॉ गुप्ता 16 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से भी जुड़ी हुई हैं।

दैनिक भास्कर **रायसेन** 23-02-2021

अहमदाबाद की डॉ. नीरजा ए गुप्ता बनीं सांची यूनिवर्सिटी की कुलपति

रायसेन|राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डॉ. नीरजा ए गुप्ता को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि का कुलपति नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 4 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने की दिनांक तक की गई है। डॉ. नीरजा गुप्ता वर्तमान में गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरएपीजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं। डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विवि के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने 1992 में मेरठ विवि से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी। वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू में भी ज्ञान रखती हैं।

डॉ. नीरजा गुप्ता ने सांची विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार किया ग्रहण

6:51 pm or February 23, 2021

Post Views: 20

दीपक कांकर

रायसेन, 23 फरवरी ;अभी तक; डॉ. नीरजा ए. गुप्ता ने सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. गुप्ता ने भोपाल पहुंचकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय में पद संभाला।

कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी व उपकुलसचिव श्रीमति वंदना जैन ने नवागत कुलपति महोदया का स्वागत कर पदभार ग्रहण की औपचारिकताएं पूर्ण कराईं। सांची विश्वविद्यालय से पूर्व डॉ. नीरजा ए. गुप्ता गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आर.ए कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य के पद पर सेवाएं दे रही थीं। डॉ. गुप्ता को गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों में मुख्य निदेशिका के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

नव दुनिया
दिनांक - 23/2/2021
पेज - 13

सांची विश्वविद्यालय की कुलपति बनीं डॉ. नीरजा ए गुप्ता

रायसेन (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मप्र की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डॉ. नीरजा ए गुप्ता को सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। राजभवन से जारी आदेश में उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 4 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक की गई है। वे वर्तमान में गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरएपीजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं। डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार भी रह चुकी हैं। उन्होंने 1992 में मेरठ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी। वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू में भी ज्ञान रखती हैं। प्राकृत जैसी प्राचीन भारतीय भाषा में भी उन्हें महारथ हासिल है। अंग्रेजी के साथ-साथ डॉ गुप्ता रूसी भाषा पर भी विद्वता रखती हैं और अकादमिक कार्यक्रमों हेतु 42 देशों की यात्राएं कर चुकी है। डॉ. गुप्ता 16 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से भी जुड़ी हुई हैं। डॉ. नीरजा गुप्ता ने 2011 में रामायण के विभिन्न संस्करणों पर एक शोध परियोजना भी पूर्ण की है। डॉ. गुप्ता को 2011 में ही शिक्षा की व्यवसायिकता पर शिक्षा शोध परियोजना हेतु शिक्षा भारती पुरस्कार प्राप्त हुआ था। 2013 में डॉ. गुप्ता द्वारा प्रवासियों व विस्थापतों पर शोध परियोजना पूर्ण की गई थी।

डॉ नीरजा ए गुप्ता।

पत्रिका
दिनांक - 23/2/2021
9 - रायसेन पत्रिका

सांची विवि की कुलपति बनीं डॉ. गुप्ता

नौ भाषाओं की ज्ञाता, रामायण पर किया शोध

रायसेन. राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डॉ. नीरजा ए गुप्ता को सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति नियुक्त किया है। मप्र राजभवन से जारी आदेश में उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 4 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने की दिनांक तक की गई है। पहली बार विश्वविद्यालय को पूर्णकालिक और एकेडमिक कुलपति मिला है। इससे पहले रहे कुलपतियों में अधिकतर प्रभारी के रूप में नियुक्त रहे। डॉ. शशि प्रभा और डॉ. याजनेश्वर शास्त्री ही एकेडमिक कुलपति थे। डॉ. नीरजा गुप्ता वर्तमान में गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरएपीजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं। वे जनसंपर्क आयुक्त और सांची युनिवर्सिटी के कुलपति शिवशेखर शुक्ला का स्थान लेंगी।

डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार भी रह चुकी हैं। उन्हें हिंदी, अंग्रेजी, रूसी सहित नौ भाषाओं का ज्ञान है। उन्होंने 2011 में रामायण के विभिन्न संस्करणों पर एक शोध परियोजना भी पूर्ण की है।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
दिनांक - 23/2/2021
Page - 02

सांची विश्वविद्यालय की कुलपति बनीं डॉ.नीरजा गुप्ता

असमिया व उर्दू सहित 9 भारतीय भाषाओं की ज्ञाता

रायसेन। मध्य प्रदेश की राज्यपाल श्रीमति आनंदी बेन पटेल ने डॉ.नीरजा गुप्ता को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। उन्होंने 1992 में मेरठ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी। वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू में भी ज्ञान रखती हैं। साथ ही साथ प्राकृत जैसी प्राचीन भारतीय भाषा में भी उन्हें महारथ हासिल है। अंग्रेजी के साथ-साथ डॉ गुप्ता रूसी भाषा पर भी विद्वता रखती हैं और वे अकादमिक कार्यक्रमों हेतु 42 देशों की यात्राएं कर चुकी हैं। डॉ गुप्ता 16 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से भी जुड़ी हुई हैं। सांची विश्वविद्यालय की साधारण परिषद द्वारा अनुशंसित नामों के पैनल में से राज्यपाल द्वारा डॉ.नीरजा गुप्ता को नियुक्ति प्रदान की गई है।

दैनिक भास्कर
दिनांक 23/2/2021
Page - 13

अहमदाबाद की डॉ. नीरजा ए गुप्ता बनीं सांची यूनिवर्सिटी की कुलपति

रायसेन|राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डॉ. नीरजा

ए गुप्ता को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि का कुलपति नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 4 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने की दिनांक तक की गई है। डॉ. नीरजा गुप्ता वर्तमान में गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरएपीजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं। डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विवि के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने 1992 में मेरठ विवि से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी। वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू में भी ज्ञान रखती हैं।

नव दुनिया दिनांक 24/02/2021
पेज - 12

डॉ. गुप्ता ने संभाली सांची विश्वविद्यालय की कमान

रायसेन(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डॉ. नीरजा ए गुप्ता ने सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. गुप्ता ने भोपाल पहुंचकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय में पद संभाला। कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी व उपकुलसचिव श्रीमती वंदना जैन ने नवागत कुलपति का स्वागत कर पदभार ग्रहण की औपचारिकताएं पूर्ण कराईं। सांची विश्वविद्यालय से पूर्व डॉ. नीरजा ए गुप्ता गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरए कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य के पद पर सेवाएं दे रही थीं। डॉ. गुप्ता को गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों में मुख्य निदेशिका के रूप में भी नियुक्त किया गया था। सांची विवि की स्थापना 21 सितंबर 2012 में हुई है। पूर्णकालिक कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार व डॉ. यज्ञदेवसर शास्त्री दो-दो वर्ष रहे हैं। जबकि डॉ. गुप्ता का कार्यकाल चार वर्ष तक रहेगा। विवि में बीच में पूर्णकालिक कुलपति का पद रिक्त होने पर इसकी जिम्मेदारी प्रभारी के तौर पर मप्र शासन के संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव ने संभाली। गौरतलब है कि सांची विवि का संचालन मप्र शासन का संस्कृति विभाग करता है। अभी तक सांची में विवि का स्वयं का भवन परिसर नहीं बना है। सांची से 7 किमी दूर ग्राम बारला रायसेन मार्ग पर किराए के भवन में विवि संचालित है। विवि के स्वयं के भवन निर्माण के लिए शासन ने 120 एकड़ भूमि सांची विश्व प्रसिद्ध स्तूप से तीन किमी दूरी सलामतपुर मार्ग पर सुरक्षित करदी है। विवि की सुरक्षित भूमि पर 2012 में श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे ने बोधि वृक्ष लगाया था।

सांची विवि की नवागत कुलपति डॉ. नीरजा ए गुप्ता के पदभार ग्रहण पर स्वागत करते हुए कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी व उप कुलसचिव श्रीमती वंदना जैन। ● नवदुनिया

दिनांक 24.02.2021

प्रेस विज्ञप्ति

विश्वविद्यालय बनेगा भारतीय संस्कृति के पुनर्पाठ का अगुआ- डॉ. नीरजा

- शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारियों से की भेंट
- 'भारतीय संस्कृति के पुनर्पाठ का अगुवा बनेगा विवि'
- 'पढ़ाई के साथ-साथ कार्य की गुणवत्ता बढ़ानी होगी'

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा ए. गुप्ता ने बारला स्थित अकादमिक परिसर में अकादमिक एवं कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों के साथ मुलाकात की। डॉ गुप्ता ने सभी विभागों का दौरा किया एवं शैक्षिक स्टॉफ से अपने-अपने विभाग से जुड़ी योजनाएं बनाने का निर्देश दिया।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि उनके प्रयास होंगे कि विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों, नए आयाम पर ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि वे प्राथमिकता पर विश्वविद्यालय में अधिक से अधिक विदेशी छात्र-छात्राओं को प्रवेश करा सकें तथा नए पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने पर कार्य करेंगी। उनका कहना था कि विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ाए जाने के लिए वे विदेशी विश्वविद्यालयों से समन्वय और एमओयू स्थापित करने का प्रयास करेंगी। उन्होने अपने कार्यकाल की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को भारती संस्कृति के पुनर्पाठ का अगुवा बनाने पर होगा।

डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ साथ कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने पर उनका ज़ोर होगा और आवश्यकता होने पर वे कार्य को सुगम बनाने के लिए नई सुविधाओं का विकास भी करेंगी।

दैनिक भास्कर **रायसेन** 25-02-2021

निरीक्षण• कुलपति ने बारला स्थित अकादमिक परिसर में शैक्षिक स्टाफ से योजनाएं बनाने के दिए निर्देश

विदेशी विश्वविद्यालयों से समन्वय बनाएंगे: कुलपति

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा ए गुप्ता ने बारला स्थित अकादमिक परिसर का निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने अकादमिक एवं कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों के साथ मुलाकात की। डॉ. गुप्ता ने सभी विभागों के शैक्षिक स्टॉफ से अपने-अपने विभाग से जुड़ी योजनाएं बनाने का निर्देश दिए।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि उनके प्रयास होंगे कि विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों और नए आयाम पर ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि वे प्राथमिकता पर विश्वविद्यालय में अधिक से अधिक विदेशी छात्र-छात्राओं को प्रवेश करा सकें तथा नए पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने पर कार्य करेंगी। उनका कहना था कि विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ाए जाने के लिए वे विदेशी विश्वविद्यालयों से समन्वय और एमओयू स्थापित करने का प्रयास करेंगी। उन्होंने अपने कार्यकाल की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि उनका प्रयास विश्वविद्यालय को भारतीय संस्कृति के पुनर्पाठ का अगुवा बनाने पर होगा। उन्होंने नई सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया।

सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा ए गुप्ता ने बारला स्थित अकादमिक परिसर का निरीक्षण कर सभी स्टाफ को निर्देशित भी किया।

शैक्षणिक गुणवत्ता पर भी रहेगा विशेष जोर

डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ साथ कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने पर उनका जोर होगा और आवश्यकता होने पर वे कार्य को सुगम बनाने के लिए नई सुविधाओं का विकास भी करेंगी

नई वेबसाइट का किया जाएगा लोकार्पण

कुलपति डॉ. गुप्ता ने बताया कि जल्द ही विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण भी किया जाएगा। जिसमें विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधियों की जानकारी उसमें उपलब्ध रहेगी। ताकि देश विदेश के छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय के बारे में सटीक जानकारियां प्राप्त हो सकें। उनका उद्देश्य पढ़ाई और कार्य में गुणवत्ता को बढ़ाना है। साथ ही उन्होंने कहा कि वे विदेशी विश्वविद्यालयों से समन्वय बनाकर प्रवेश बढ़ाएंगी।

दर्शन, धर्म और संस्कृति की री-रीडिंग का लक्ष्य

सांची यूनिवर्सिटी की कुलपति ने कहा भारतीयता पर गर्व का अहसास कराना है उद्धेश्य।

By: praveen shrivastava

Published: 24 Feb 2021, 09:08 PM IST Raisen, Raisen, Madhya Pradesh, India

दर्शन, धर्म और संस्कृति की री-रीडिंग का लक्ष्य

रायसेन. सांची यूनिवर्सिटी की स्थापना जिस उद्देश्य को लेकर की गई है, उसे उसके मूल स्वरूप के साथ आगे बढ़ाना ही हमारा पहला लक्ष्य होगा। भारतीयता पर हम गर्व महसूस करें, इसके अलग-अलग स्वरूपों को समझें और उन्हें आत्मसात करें, इसी उद्देश्य को लेकर यूनिवर्सिटी में लक्ष्य निर्धारण कर कार्य किए जाएंगे। यह बात सांची बौद्ध अध्ययन विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने पत्रिका से विशेष बातचीत में कही। कश्मीर से धारा 370 हटाने से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बनाई गई 71 लोगों की टीम का निर्देशन करने वाली डॉ नीरज गुप्ता ने तीन दिन पहले ही सांची यूनिवर्सिटी में कुलपति का प्रभार ग्रहण किया है।

उन्होंने कहा कि सांची यूनिवर्सिटी का मूल स्वरूप दर्शन, धर्म और संस्कृति की री-रीडिंग कराना है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में होने वाले शोध और उनसे प्राप्त होने वाली उपलब्धियां आमजन तक पहुंचे, इसके प्रयास किए जाएंगे, ताकि लोग धर्म, दर्शन और संस्कृति को के भारतीय स्वरूप को गहराई से समझ सकें और फिर अपने पर भारतीय होने का गर्व कर सकें। विश्वविद्यालय में नए कोर्स शुरू करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पहले यहां रिसोर्सेज देखना है, यहां उपलब्ध संसाधनों के अनुसार ही नए कोर्स शुरू करने पर विचार किया जाएगा। पहले खुद को सक्षम बनाना है और फिर वैश्विक स्तर पर और समृद्धि ढंग से स्थापित किया जा सके। भारतीय संस्कृति पर चर्चा के दौरान डॉ. गुप्ता ने कहा कि हमने अपने प्रतिमानों को कमजोर किया है, उन्हें वापस लाना है। विश्वविद्यालय की अवधारणा के अनुरूप इस दिशा में मजबूती से काम किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. नीरज गुप्ता अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, रूसी सहित नौ भाषाओं पर पकड़ रखती हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि पोप द्वारा गठित इंटेलिजेंस कमेटी में शामिल छह भारतीयों में वे एकमात्र महिला सदस्य हैं। इस समिति में हिंदुइज्म को वैज्ञानिक तरीके से रिप्रेजेंट करना उनकी जिम्मेदारी में है।

यूनिवर्सिटी के अपने भवन के निर्माण को लेकर पत्रिका के सवाल पर डॉ. गुप्ता ने कहा कि पहले से इसकी प्रक्रिया जारी है जल्दी उस पर भी सार्थक निर्णय होगा और भवन का निर्माण शुरू होगा।

खबरें शानदार 12 /12

रूबिना दिलैक को पति अभिनव शुक्ला ने दिया खूबसूरत तोहफा, शानदार अंदाज में हुआ एक्ट्रेस का वेलकम

Live Desk और पढ़ें

Morena a minute ago

सनसनी - जानवर का शव समझ रहे थे ग्रामीण और पुलिस... लेकिन जब बोरा

Jaipur 3 minutes ago

मुख्यमंत्री के बयान पर भड़के सपा नेता

video story: कंस्ट्रक्शन कंपनी के 25 से ज्यादा ठिकानों पर IT की

डॉ नीरजा ए गुप्ता बनी सांची विश्वविद्यालय की कुलपति

Published on: Feb 22, 2021, 10:52 PM IST

डॉ. नीरजा ए गुप्ता सांची विश्वविद्यालय की कुलपति बनीं हैं. डॉ. नीरजा गुप्ता वर्तमान में गुजरात, अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरए पीजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं.

रायसेना मध्यप्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डॉ. नीरजा ए गुप्ता को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है. प्रदेश राजभवन से जारी आदेश में उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 4 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने की दिनांक तक की गई है. डॉ. नीरजा गुप्ता वर्तमान में गुजरात, अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरए पीजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं.

डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार भी रह चुकी हैं. उन्होंने 1992 में मेरठ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी. वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू में भी ज्ञान रखती हैं. साथ ही प्राकृत जैसी प्राचीन भारतीय भाषा में भी उन्हें महारथ हासिल है. अंग्रेज़ी के साथ-साथ डॉ गुप्ता रूसी भाषा पर भी विद्वता रखती हैं और वे अकादमिक कार्यक्रमों के लिए 42 देशों की यात्रा कर चुकी हैं. डॉ गुप्ता 16 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से भी जुड़ी हुई हैं.

सांची विश्वविद्यालय

डॉ. नीरजा गुप्ता ने 2011 में रामायण के विभिन्न संस्करणों पर एक शोध परियोजना भी पूर्ण की है. डॉ. गुप्ता को 2011 में ही शिक्षा की व्यवसायिकता पर शिक्षा शोध परियोजना के लिए शिक्षा भारती पुरस्कार प्राप्त हुआ था. 2013 में डॉ. गुप्ता द्वारा 'प्रवासियों व विस्थापतों÷ पर शोध परियोजना पूरी की गई थी. उन्हें 2002 में न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के लीडरशिप इंस्टीट्यूट व लॉयन्स इंस्टीट्यूट का बेस्ट ग्रेजुएट पुरस्कार भी मिल चुका है.

हाल में आपको गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों में मुख्य निदेशिका के रूप में भी नियुक्त किया गया है. सांची विश्वविद्यालय की साधारण परिषद द्वारा अनुशंसित नामों के पैनल में से राज्यपाल द्वारा डॉ. नीरजा ए गुप्ता को नियुक्ति प्रदान की गई है.

दैनिक जागरण
दिनांक - 25/2/2021
पृष्ठ - 02

डॉ. नीरजा गुप्ता बनी सांची विवि की वाइस चांसलर

भोपाल। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डॉ. नीरजा ए गुप्ता को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। राज्यपाल पटेल ने उनकी नियुक्ति सांची विश्वविद्यालय की साधारण परिषद द्वारा अनुशंसित नामों के पैनल में शामिल होने पर की है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से चार वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तिथि तक की गई है। डॉ. नीरजा गुप्ता वर्तमान में गुजरात अहमदाबाद के खानपुर स्थित भारतीय विद्या भवन के आरएपीजी कॉलेज में ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में प्रोफेसर व प्राचार्य हैं। डॉ. गुप्ता 2006 से 2012 तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय के विदेश शिक्षा कार्यक्रम की सलाहकार भी रह चुकी हैं। वे हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया के अतिरिक्त उर्दू में भी ज्ञान रखती हैं। अंग्रेजी के साथ-साथ डॉ. गुप्ता रूसी भाषा पर भी विद्वता रखती हैं। वे अकादमिक कार्यक्रमों हेतु 42 देशों की यात्रा कर चुकी है। डॉ गुप्ता 16 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से भी जुड़ी हुई है। डॉ. नीरजा गुप्ता ने 2011 में रामायण के विभिन्न संस्करणों पर एक शोध परियोजना भी पूर्ण की है।